पांच शहरों में इन्वेस्ट यूपी खोलेगा सैटेलाइट ऑफिस

यूपी की निवेश क्षमता व औद्योगिक अवसरों को बड़े कारोबारी केंद्रों तक पहुंचाने की रणनीति

लखनऊ। निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार देश के पांच प्रमुख महानगरों मुंबई, बंगलूरू, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में इन्वेस्ट यूपी के सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस खोलेगी। इन ऑफिसों के माध्यम से यूपी की निवेश क्षमता और औद्योगिक अवसरों को सीधे बड़े कारोबारी केंद्रों तक पहुंचाने की योजना है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इसी क्रम में अब यह सैटेलाइट ऑफिस योजना लागू की जा रही है जो निवेशकों और सरकार के बीच संवाद को मजबूत करेगी। प्रत्येक सैटेलाइट ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की नियुक्ति की जाएगी। सभी पांचों केंद्रों पर कुल मिलाकर लगभग 12 करोड़ रुपये वार्षिक व्यय होने का अनुमान है।

इन ऑफिसों का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना ही नहीं, बल्कि निवेशकों को परियोजना क्रियान्वयन, नीति मार्गदर्शन और राज्य के औद्योगिक माहौल की प्रत्यक्ष जानकारी देना भी है। ब्यूरो

हर शहर का अलग फोकस एरिया तय

राज्य सरकार ने हर सैटेलाइट ऑफिस के लिए उस शहर की औद्योगिक और आर्थिक विशेषताओं के आधार पर रणनीतिक सेक्टर भी तय किए हैं। मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक और ईएसजी फंड पर केंद्रित रहेगा। बंगलूरू ऑफिस जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर), एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ईवी और डीपटेक उद्योगों को लक्ष्य बनाएगा। हैदराबाद ऑफिस फार्मा, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज सेक्टर पर फोकस करेगा। चेन्नई ऑफिस ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और हार्डवेयर निर्माण क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करेगा। नई दिल्ली ऑफिस इन्वेस्ट यूपी और एशिया-यूरोपीय संघ सहयोग सुविधा केंद्र के रूप में काम करेगा।

शीर्ष औद्योगिक नेटवर्क से जोड़ने की रणनीति : सरकार का मानना है कि देश के इन प्रमुख शहरों में मौजूदगी से न सिर्फ यूपी को घरेलू निवेश में बढ़त मिलेगी, बल्कि विदेशी निवेश आकर्षण में भी तेजी आएगी। सीएम ने कहा है कि यूपी अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। ये ऑफिस इस दिशा में सेतु का काम करेंगे और राज्य को देश के शीर्ष औद्योगिक नेटवर्क से सीधे जोड़ेंगे। इनसे मेक इन यूपी अभियान को और गति मिलेगी।

पीएम मित्र पार्क में 5 हजार करोड़ का निवेश

लखनऊ। यूपी को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में पीएम मित्र पार्क गेमचेंजर साबित हो रहे हैं। लखनऊ और हरदोई में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग ने अब तक करीब 100 औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन साइन किए हैं। आदित्य बिरला ग्रुप ने 30 एकड़ भूमि में स्पिनिंग और वीविंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई है। जीईएसएल स्पिनर्स 20 एकड़ में टेक्निकल टेक्सटाइल यार्न यूनिट लगाएगी। अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, एसएवीएम इंक डी 25 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, जियोसिस इंडिया 25 एकड़ में जियोग्रिड टेक्निकल टेक्सटाइल्स और टीटी लिमिटेड 5 एकड़ में गारमेंट यूनिट लगाएगी। आरजीआई मेडिटेक 2.5 एकड़ में सेनिटरी नैपकिन और डायपर्स यूनिट, वीडी ग्रुप 10 एकड़ में पॉली प्रोपिलीन फैब्रिक यूनिट, माराल ओवरसीज 5 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग और ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब बनाएगी। ब्यूरो

हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग ने 100 इकाइयों से किया एमओयू

- यह परियोजना 1000 एकड़ भूमि पर विकसित हो रही है। इसमें 730 एकड़ लखनऊ और 270 एकड़ हरदोई में शामिल है। पार्क के निर्माण के बाद 10 हजार करोड़ से अधिक निवेश आने की संभावना है। इससे एक लाख से अधिक को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए पीएम मित्र पार्क उप्र. लिमिटेड नाम से एक एसपीवी का गठन किया गया है। इसमें 51% हिस्सेदारी यूपी सरकार और 49% प्रतिशत केंद्र सरकार की होगी।

यूपी में निवेश की इच्छुक हैं सिंगापुर जापान और जर्मनी की कई कंपनियां

लखनऊ। बड़े निवेश लाने के लिए प्रदेश सरकार का फोकस तकनीकी रूप से समृद्ध देशों पर है। इसी रणनीति के तहत यूपी सरकार जापान, सिंगापुर, जर्मनी जैसे देशों की बड़ी कंपनियों के साथ बैठकें कर रही है। प्रदेश में अब तक 15 लाख करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतारा जा चुका है। इन्वेस्ट यूपी की रिपोर्ट के अनुसार, जापान, सिंगापुर, कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, रूस, ताइवान और खाड़ी देशों की करीब 150 से अधिक कंपनियों ने यूपी में बड़े निवेश की इच्छा जताई है। उद्यमियों के साथ वन-टू-वन बैठकें जारी हैं और एमओयू की तैयारी है। अब तक 40 से अधिक ताइवानी कंपनियों के साथ बैठकें हो चुकी हैं। सिंगापुर और यूएई सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन में वर्चुअल सम्मेलन हुए हैं। खाड़ी की 20 से अधिक और सिंगापुर की 25 से अधिक कंपनियों के साथ संपर्क स्थापित किया गया है। जापान की 30 से अधिक कंपनियों के साथ बैठकें हो चुकी हैं। कुछ परियोजनाएं ग्राउंड ब्रेकिंग के चरण में हैं। दक्षिण कोरिया में शीर्ष 25 कंपनियों के साथ संपर्क स्थापित किया गया है। जर्मनी, फ्रांस और रूस की 13 से अधिक कंपनियों ने यूपी में निवेश में रुचि दिखाई है। ब्यूरो